तापमान

अधिकतम 36.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

कोरबा भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 12 सितंबर 2025

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

3

छत्तीसगढ़ी व्यंजन का स्वाद सहित सजे मंहेदी से हाथ

खबर संक्षेप

गेवरा दीपका में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग

गेवरा-दीपका। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जब कोरबा प्रवास हुआ है तब नगर पालिका परिषद दीपका के वरिष्ठ पार्षद जिला कार्य समिति सदस्य भारतीय जनता पार्टी कोरबा अरुणीश तिवारी ने उनसे मांग करते हुए कोयलांचल क्षेत्र में एक केंद्रीय विद्यालय के स्थापना की मांग किया है श्री तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री का ध्यानाकर्षण कराते हुए कहा है कि देश को सबसे ज्यादा कोयला आपूर्ति करने वाली कोयला खदान गेवरा दीपका के इस कोयलांचल क्षेत्र में लंबे समय से एक केंद्रीय विद्यालय के संचालन की आवश्यकता महसूस की जा रही है और जब ऊर्जानगरी में मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक लेने प्रदेश के मुख्यमंत्री का आगमन हुआ है तब इस कोयलांचल क्षेत्र के श्रमिक बाहुल्य नागरिकों की मांग पर केंद्रीय विद्यालय की स्थापना एवं संचालन का मार्ग प्रशस्त करना क्या चाहिए।

ग्राम्य भारती महाविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन आज

हरदीबाजार। राज्य के 25वर्ष अतीत वर्तमान और कालांतर के विषय में आयोजित रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में 12 सितंबर को शासकीय ग्राम्य भारती महाविद्यालय हरदीबाजार में होने जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे डॉ विनय पाठक कुलपति थे। वे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार होंगे। कार्यक्रम की अध्क्षता डॉ राघवेंद्र दुबे प्रांतीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य प्रकाशन अकादमिक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बोधराम कंवर पूर्व विधायक व संस्थापक महाविद्यालय हरदीबाजार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ज्योतिनंद दुबे पूर्व राज्य खाद्य आयोग छत्तीसगढ़ शासन तथा डॉ गजेंद्र तिवारी शिक्षा विद संचालक छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल पाली एवं शिक्षाविद अजय दुबे, निकिता मुकेश जायसवाल उपाध्यक्ष जिला पंचायत कोरबा एवं संस्था के प्रभारी प्राचार्य डॉ अनिल पांडे सहित महाविद्यालय के स्टाफ तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहेंगे।

विद्युत कंपनी अध्यक्ष एवं फेडरेशन 01 की बैठक आज

कोरबा। विद्युत कंपनी के अध्यक्ष डॉ.रोहित यादव को छत्तीसगढ़ विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन 01 के महासचिव आरसी चेट्टी द्वारा दिए गए 7 सूत्रीय ज्ञापन पर उप महाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध) ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 9 सितंबर को आयोजित कंपनी प्रबंधन एवं फेडरेशन पदाधिकारियों की द्विपक्षीय वार्ता अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई थी, उसे पुनः 12 सितंबर को दोपहर 12 बजे से अध्यक्ष के सभागार में आयोजित की गई है। अधिकारी कर्मचारी के हितों से जुड़े इस महत्वपूर्ण बैठक में कंपनी अध्यक्ष डॉ.रोहित यादव के साथ तीनों कंपनियों के प्रबंध निदेशक एवं मानव संसाधन विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

मछुआ सहकारी समिति के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम जारी

कोरबा। तहसील पोड़ी उपरोड़ा के जय हिरामण छत्री मछुआ सहकारी समिति मर्यादित टिहलीसराई, ठुठीपीपर पं.क्र. 340 हेतु संचालक मण्डल के सदस्यों के निर्वाचन हेतु निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत 18 सितम्बर को दोपहर 1 बजे से दोपहर 4 बजे तक नामांकन पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा। नामांकन पत्रों की संवीक्षा (जांच) एवं वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन की तिथि 19 सितंबर, नामांकन पत्रों की वापसी तथा चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चिन्हों का आबंटन की तिथि 20 सितंबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर दो बजे तक निर्धारित की गई है। 25 सितम्बर को सोसायटी की विशेष साधारण सम्मिलन में दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान एवं मतदान के एक घंटे के बाद समिति कार्यालय में मतगणना आयोजित की जाएगी।

जिले के 51 स्वास्थ्य केंद्रों में लगेंगे सोलर प्लांट, बनेंगे 7 मर्च्युरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में जिला खनिज न्यास मद से स्वास्थ्य विभाग में 3 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भवन, 28 उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 35 आवासीय भवन, 51 स्वास्थ्य केन्द्रों में सोलर प्लांट, 7 प्रा.स्वास्थ्य केन्द्रों में मर्चुरी तथा 14 स्वास्थ्य केन्द्रों में अहाता निर्माण तथा अन्य विकासकार्यों को स्वीकृत किया गया है जो वर्तमान में निर्माणाधीन है।

अलग खबर

जिले के पाली विकासखण्ड में लाफा, कटघोरा ब्लाक के चाकाबुड़ा तथा पोंड़ी विकासखण्ड के माचाडोली मे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नवीन भवन बनाया जा रहा है। इसके साथ ही सभी विकासखण्डों में 28 उपस्वास्थ्य केन्द्र विकासखण्ड पाली में डूमरकछार, जेमरा, पोलमी ,पोंड़ी, इरफ, चोढ़, कांजीपानी, पटपरा, नानबांका विकासखण्ड पोंड़ी उपरोड़ा के ग्राम पसान, सुतर्रा, करीं, सेमरा नरईबोध, पचरा, अमलीकुंडा, विकासखण्ड कटघोरा के ग्राम बांकी बस्ती, कोरबा विकासखण्ड के ग्राम अरसेना, रजगामार, सोनपुरी, कुदुरमाल, विकासखण्ड करतला के ग्राम नोनदरहा, बेहरचुआ,पठियापाली, तुमान, बरपाली तथा कराईनारा में उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत कर निमार्ण कार्य कराया जा रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को असमाजिक तत्वों तथा जानवरों से सुरक्षित रखने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर, कोथारी, सिरमिना, जवाली, पिपरिया, तुमान, तरदा, भैंसमा, खरवानी, तानाखार तथा चाकाबुड़ में अहाता निर्माण कराया जा रहा है। क्षेत्र के नागरिकों को 24 घंटे स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा कर्मचारियों को आवास की समस्या से निजात दिलाने प्रा.स्वा.केन्द्र अजगरबहार, फरसवानी, केराकछार, कोरबी, लाफा, लालपुर, लेमरू, सपलवा, श्यांग, सिरमिना, माचाडोली, कोरबा, रामपुर, कोथारी, खरवानी, छुरी, उतरदा, बांकीमोंगरा, पसान, जटगा, रंजना, मोरगा, कोरबी, भैसमा, तिलकेजा, महोरा, पिपरिया, चाकाबुड़ा, चिकनीपाली, सरगबुंदिया, तुमान,कुदमुरा, कटोरी नगोई,चैतमा एवं कोरकोमा में आवासीय भवन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

डीएमएफ से बनेंगे 3 पीएचसी तथा 28 उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन

पीएचसी व सीएचसी को मिला प्रमाण पत्र

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए करतला विकासखण्ड के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) चिकनीपाली एवं कटघोरा विकासखंड के उप स्वास्थ्य केन्द्र छिन्दपुर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र (एनक्यूएएस) प्राप्त हुआ है।

शव विच्छेदन गृह से होगी सुविधा

दूरदराज के गांवों में किसी की आकस्मिक मृत्यु होने या प्राकृतिक घटना से मृत्यु होने की स्थिती में पर शव विच्छेदन करने की आवश्यकता होती है। इस स्थिती से निपटने के लिए करतला, चिकनीपाली, खरवानी,, मोरगा,कोरबा, कोरबी, तुमान, कोथारी, में शवविच्छेदन गृह का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रा.स्वा.केन्द्रों में प्रतिक्षालय शेड, इलक्ट्रीकल पैनल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

एसईसीएल कुसमुंडा खदान का मामला

निजी कंपनी भूविस्थापितों पर दबाव बनाने के लिए ले रही महिला बाउंसरों का सहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल कुसमुंडा खदान से जुड़े कार्यों में लगी निजी कंपनी नीलकंठ द्वारा ग्रामीणों पर दबाव बनाने के लिए महिला बाउंसरों का सहारा लिया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप

खास बात

- नीलकंठ कंपनी के बाउंसरों ने महिला भूविस्थापितों से की अभद्रता व धक्का मुक्की

लगाया है कि कंपनी की ओर से भेजी गई इन महिला बाउंसरों ने न केवल उनसे अभद्र व्यवहार किया, बल्कि धक्का मुक्की और मारपीट कर विरोध की आवाज दबाने का प्रयास भी किया है। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी द्वारा लगातार उन्हें शोषित और परेशान किया जा रहा है।

कुसमुंडा खदान से प्रभावित भूविस्थापित पहले से ही भूमि अधिग्रहण, मुआवजा और रोजगार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। वहीं अब उन्हें डराने धमकाने के लिए महिला बाउंसरों का सहारा लिया जा रहा है। खासकर ग्रामीण महिलाओं के विरोध को दबाने के लिए इस तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि ग्रामीणों के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान

महिला बाउंसरों द्वारा महिलाओं से हुज्जतबाजी करते हुए।

महिला बाउंसरों ने बदसलूकी की, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। ग्रामीणों का आरोप है कि नीलकंठ कंपनी प्रशासन और स्थानीय पुलिस की अनदेखी का फायदा उठाकर दबंगई दिखा रही है। भूविस्थापित संगठनों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उनका कहना है कि खदान प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान संवाद और न्यायपूर्ण मुआवजे से होना चाहिए न कि डर और धमकी से। अब सवाल यह उठ रहा है कि एसईसीएल जैसी सरकारी कंपनी की खदानों में काम करने वाली निजी कंपनियों को इतना हक किसने दिया कि वे बाउंसरों के सहारे ग्रामीणों की आवाज दबाने का प्रयास करें। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हो। कुसमुंडा क्षेत्र में संचालित नीलकंठ कंपनी एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कंपनी पर लगातार यह आरोप लग रहा है कि वह स्थानीय भूविस्थापितों की अनदेखी करते हुए बाहरी लोगों को नौकरी दे रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि जिन ग्रामीणों ने अपनी जमीन एसईसीएल को दी, उनके परिवार आज भी रोजगार की तलाश में दर दर भटक रहे हैं, जबकि कंपनी हर दिन नए ड्राइवर और सुपरवाइजर की भर्ती कर रही है। भूविस्थापितों का कहना है इसमें मुख्य रूप से मुकेश एचआर, अश्वनी सिंह द्वारा मनमानी की जा रही है। जब वे आंदोलन करते हैं तो प्रशासन मौके पर पहुंचता है।

इस दौरान पुलिस व प्रशासन के अधिकारी भी मानते हैं कि भूविस्थापितों का रोजगार पर हक बनता है, लेकिन नीलकंठ कंपनी इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उल्टा भूविस्थापितों को डराने-धमकाने के लिए कंपनी ने बाउंसर तक तैनात कर दिए हैं। इनमें महिला बाउंसर भी शामिल हैं, जो आंदोलन कर रही महिलाओं पर दबाव बनाने का प्रयास करती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर कंपनी इसी तरह बाहरी लोगों को भर्ती करती रही तो आने वाले समय में आंदोलन और उग्र हो सकता है। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर जब रोजगार का दावा भू-विस्थापितों के हक में है, तो उनकी अनदेखी क्यों हो रही है।

भू-विस्थापितों की नाराजगी

भूविस्थापित युवाओं ने बताया कि उनकी जमीन खदान विस्तार के लिए ली गई, लेकिन बदले में रोजगार नहीं मिला। कंपनी का दावा है कि चयन मेरिट और आवश्यकता के आधार पर किया जाता है, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें उनके वैधानिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है। यही कारण है कि भू-विस्थापित बार-बार आंदोलन करने पर मजबूर हो रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि महिलाएं भी आंदोलन का हिस्सा बनने लगी हैं। भूविस्थापित महिलाओं का कहना है कि उसके परिवार का कोई भी सदस्य नौकरी पर नहीं लगाया गया। जमीन देने के बाद भी हमें रोजगार नहीं मिला, अब हमारे बच्चे दर-दर भटक रहे हैं।

गणेश विसर्जन के दौरान डीजे बजाने वालों पर पुलिस की कार्रवाई

कटघोरा पुलिस द्वारा जप्त की गई डीजे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

गणेशोत्सव के अवसर पर कटघोरा में निकली भव्य विसर्जन यात्रा के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्र (डीजे) बजाने

खास बात

- तीन डीजे संचालकों पर मामला दर्ज

पर पुलिस ने सख्ती दिखाई। सुप्रीम कोर्ट एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी के नेतृत्व में 3 डीजे संचालकों पर चालानी कार्यवाही करते हुए उन्हें न्यायालय भेजा गया।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों जयदेवा गणेशोत्सव समिति द्वारा कटघोरा का राजा गणपति की विसर्जन यात्रा निकाली गई थी। इस भव्य शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी शामिल हुए। भीड़ और उत्साह देखते हुए समिति ने 3 अलग-अलग डीजे का संचालन किया जबकि थाना प्रभारी ने पूर्व में ही समिति को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि विसर्जन यात्रा में डीजे का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। निर्देशों की अनदेखी कर डीजे बजाए जाने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों डीजे संचालकों पर मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। इस कार्रवाई से डीजे संचालकों में हड़कंप मच गया। हालांकि इससे पहले हुई कार्यवाहियों में कुछ संचालकों को राहत जरूर मिली थी लेकिन ताजा कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है कि पुलिस प्रशासन इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा। थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने बताया कि उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार किसी भी धार्मिक या सार्वजनिक आयोजन में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का अंधाधुंध उपयोग वर्जित है। प्रशासन लगातार इसकी निगरानी कर रहा है और उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस घटना के बाद नगर में डीजे संचालकों के बीच खौफ का माहौल है। आमजन व श्रद्धालु भी अब प्रशासन की सख्ती को देखते हुए आयोजनों में डीजे के बजाय पारंपरिक वाद्ययंत्रों के उपयोग पर विचार कर रहे हैं।

रोजगार की मांग को लेकर भू-विस्थापितों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल गेवरा खदान प्रभावित क्षेत्र ग्राम विजयनगर सामुदायिक

खास बात

- आंदोलन की बनाई रणनीति

भवन के पास कोयलाधानी भूविस्थापित किसान संघ के बैनरतले बैठक का आयोजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष गजेंद्र पाल सिंह तंवर की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। जिसमें क्षेत्र से बड़ी संया में भू-विस्थापित व मजदूर शामिल हुए। संगठन के अनुसार

प्रदर्शन करते भूविस्थापित।

भूविस्थापितों व ग्रामीणों ने जूनाडीह खुसरुडीह में गेवरा खदान के लिए अपनी जमीन दी हैं। कुछ लोगों को नौकरी मिली है, लेकिन अधिकांश किसान व छोटे खातेदार हैं। जिनके समक्ष रोजगार का संकट बना हुआ है। वर्तमान में गेवरा में कई आउटसोर्सिंग कंपनियां नियोजित है। इसके बाद भी एसईसीएल प्रभावित परिवार के लोग रोजगार से वंचित है। संगठन ने कहा कि अगर भूस्थापितों के वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने प्रबंधन गंभीरता नहीं दिखाएगा तो आगे बड़ा आंदोलन हो सकता है। गांव के वास्तविक भू-विस्थापितों को उनके अर्जित जमीन के लिए भूविस्थापित प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

मेडिकल कॉलेज निर्माण को समयावधि में करें पूरा : संभागायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बिलासपुर संभागायुक्त सुनील जैन ने ग्राम भुलसीडीह में निर्माणाधीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, आईटी कोरबा में संचालित मेडिकल कॉलेज, एवं जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने भुलसीडीह में निर्माणाधीन चिकित्सा महाविद्यालय के निर्माण स्थल में एकेडमिक ब्लॉक, गर्ल्स हॉस्टल, बालक हॉस्टल, इंटर्न बालक/इंटर्न कन्या हॉस्टल, डायनिंग एरिया का निरीक्षण किया।

संभागायुक्त ने मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य में प्रगति लाने एवं

निरीक्षण करते संभागायुक्त।

निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए साथ ही गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान संभागायुक्त श्री जैन ने वर्तमान में आई टी कॉलेज कोरबा में वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में संचालित चिकित्सा महाविद्यालय का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के संचालित कक्षाओं का अवलोकन कर छात्र हित में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री जैन ने जिला अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी, पुरुष व महिला वार्ड, स्टोर रूम , हमर लैब, ब्लड बैंक तथा विभिन्न चिकित्सकीय उपकरणों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भर्ती मरीजों से भेंटकर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने एवं सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को समय पर उपस्थित रहकर आमजनों को स्वास्थ्य लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इस दौरान मौके पर डॉ. अविनाश मेश्राम, डीन मेडिकल कॉलेज सीएमएचओ डॉ एस एन केसरी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज का मामला, 67 हाथियों का झुण्ड विभिन्न वन परिक्षेत्रों में डाले हुए हैं डेरा

खेत में आ धमका था हाथी, दौड़ाया तो भागने के दौरान मशाल से झुलसा ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कटघोरा वनमंडल में विचरण कर रहे हाथी द्वारा लगातार किसानो की खड़ी फसलों में घुसकर रौंदने लगे हुए हैं तो वहीं दूसरी ओर किसान अपनी खेतों को बचाने में भी लगे हुए हैं। बीती रात को एक हाथियों का झुंड एक किसान के खेत में जा पहुंचा था। जब हाथियों को भगाने के लिए किसान मशाल लेकर पहुंचा तो हाथी के सामने ही पहुंच गया था और भगाने के दौरान किसान

घायल युवक।

स्वयं गड्ढे में गिर गया और मशाल की चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलस गया है। किसान को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया गया है जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

कटघोरा वनमंडल के विभिन्न वन परिक्षेत्र में 67 हाथियों का झुण्ड विचरण कर रहा है। जिसमें सबसे अधिक केंदई में हाथियों के झुण्ड ने डेरा डाला हुआ है तो वहीं दूसरी ओर अलग-अलग झुण्ड में विभक्त होने की वजह से कम होने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि वन विभाग की टीम हाथियों की ट्रैकिंग कर जान माल के नुकसान को रोकने का प्रयास कर रही है लेकिन इन दिनों किसानों के खेतों में धान की खड़ी फसल लगी हुई है। प्रतिदिन किसानों की खेतों में पहुंचकर खड़ी फसलों को चौपट कर रहे हैं। बताया जाता है कि पसान रेंज में कुछ हाथियों का झुंड बीती रात को ग्राम बोकरामुड़ी में किसान के खेत में घुस गया था। जिसे खदेड़ने के लिए किसान बहादुर यादव मशाल लेकर पहुंचा हुआ था जब तक ग्रामीण सावधान हो पाता कि अचानक हाथियों का झुंड उसके करीब आ गया और भागने के दौरान वह स्वयं मशाल की चपेट में आ गया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया है। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से ग्रामीण को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

ट्रैकिंग के लिए बनी है अलग-अलग टीम

कटघोरा वनमंडल में सबसे अधिक 67 हाथियों का झुण्ड विचरण कर रहा है। अलग-अलग झुण्ड में हाथी लगातार देर शाम होते ही गांव में घूसने की कोशिश करता है और खेतों में पहुंचकर नुकसान पहुंचा रहा है। हालांकि इस जान माल के नुकसान को रोकने के लिए वन विभाग ने सभी वन परिक्षेत्र में अलग-अलग टीम गठित की है। जिसके चलते जान माल का नुकसान नहीं हो रहा है। हालांकि अभी डिवीजन में कोई बड़ी जनधन के हानि नहीं हुई है।

जल प्रदाय योजना का सचिव ने किया निरीक्षण

कोरबा। जल जीवन मिशन अंतर्गत ऐतमानगर समूह जल प्रदाय योजना का निरीक्षण जल जीवन मिशन के अंतर्गत कोरबा जिले की ऐतमानगर समूह जल प्रदाय योजना के तहत निर्माणाधीन 28.5 एमएलडी क्षमता के जल शुद्धिकरण संयंत्र का 10 सितंबर को सचिव मोहम्मद क़ैसर अब्दुल हक द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संजय सिंह मुख्य अभियंता, परीक्षित चौधरी अधीक्षण अभियंता तथा कार्यपालन अभियंता अपने अभियंता सहित उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टाफ के साथ जल शोधन संयंत्र के चल रहे विभिन्न अवयवों का निरीक्षण किया एवं परियोजना की प्रगति की समीक्षा की निरीक्षण के दौरान कार्य की गुणवत्ता और प्रगति में तेजी लाने कहा।

भाषा राष्ट्र का गौरव होती है, यह लोगों को आपस में जोड़ती है, देश को मजबूत बनाने में सहायक होती है। हमारी हिंदी भाषा, देश क्या, विदेशों में भी पढ़ी और बोली जाती है, इसका सम्मान है। हर भारतीय को हिंदी का अधिक से अधिक उपयोग करके इसका मान-सम्मान बढ़ाकर इसके विकास में अपना योगदान देना चाहिए।

हिंदी अपनी भाषा से करो प्यार

हमारी हिंदी
मोनिका शर्मा

बच्चो, हिंदी केवल एक भाषा भर नहीं है। इससे हमारे देश का मान भी जुड़ा है। साथ ही हम सब नागरिकों का सम्मान भी हमारी इस भाषा से ही जुड़ा है। असल में हिंदी हमारे देश की आधिकारिक भाषा है। हिंदी भाषा को 14 सितंबर 1949 को आधिकारिक भाषा बनाया गया। इस दिन हमारे देश की सरकार ने हिंदी भाषा को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। देश के नागरिकों ने भी अपनी प्यारी भाषा को दिल में जगह दी, मन से मान दिया। इसीलिए इस दिन को हम हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

हिंदी है हमारी पहचान

दुनिया भर में हिंदी भाषा हमारी पहचान है। दुख की बात है कि फिर भी स्कूल हो या घर, हम सब हिंदी बोलने से दूरी बना रहे हैं। बच्चो, अपनी भाषा का मान-सम्मान करने का सबसे प्यारा तरीका है, हम हिंदी भाषा से जुड़े रहें। इसीलिए गर्व से हिंदी बोलो। मन से हिंदी पढ़ो। अपनी प्यारी हिंदी का दिल से सम्मान करो। बच्चो, हिंदी बहुत प्यारी और मीठी भाषा है। दुनिया की एक प्रमुख भाषा होने के बावजूद हिंदी को कमतर आंकने की सोच भी दिखती है। हिंदी बोलने वालों को पिछड़ा समझा है। अपनी भाषा में बोलने, पढ़ने या कुछ कहने-सुनने में हमें कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। किसी भी दूसरी भाषा को सीखना-बोलना बुरा नहीं, लेकिन अपनी भाषा की अहमियत कभी नहीं भूलनी चाहिए। अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि हिंदी ना सीखी जाए। हिंदी को अंग्रेजी के मुकाबले कमतर समझा जाए। दुख की बात है, हमारी प्यारी भाषा हिंदी को लेकर यह सोच हमारे आस-पास दिखती है। इसी कारण बोल-चाल से हिंदी गायब हो रही है। बच्चो, तुम अपनी भाषा से जुड़े रहने के रास्ते पर चलो।

टेक्निकल वर्ल्ड में बोलबाला

आजकल टेक्निकल वर्ल्ड में भी हिंदी का बोलबाला है। बहुत से मोबाइल एप हिंदी में काम करते हैं। एआई भी हिंदी भाषा में हमारे सवालों का जवाब देता है। इंटरनेट पर हिंदी भाषा में भी सब कुछ सर्च किया जा सकता है।

ज्यादातर डिजिटल सिस्टम हिंदी बोलने, पढ़ने, लिखने, समझने वालों से हिसाब से बनाए जा रहे हैं। साथ ही हमारे देश के तो हर हिस्से में हिंदी जानने वाले लोग रहते हैं। 77 प्रतिशत देशवासी हिंदी पढ़-लिख बोल और समझ लेते हैं। ऐसे में कभी देश के दूसरे प्रदेश में जाने पर हिंदी भाषा में बोलना ही हमें एक-दूसरे से जोड़कर रखता है। अपनेपन का एहसास करवाता है।

कमाल की भाषा हिंदी

बच्चो, 'अ आ इ ई' से हुई हिंदी पढ़ने की शुरुआत तो तुम्हें जरूर याद होगी। हिंदी के वर्णों की तालिका को वर्णमाला कहते हैं। एक-एक अक्षर को जोड़ बनी भाषा की इस प्यारी सी लड़ी को अक्षरों की माला भी कहा जाता है। हिंदी के अक्षर, मात्रा, शब्द और वाक्य सब कुछ कमाल के हैं। हमारी भाषा पूरी तरह से एक वैज्ञानिक भाषा है। इसे चमत्कार ही तो कहेंगे कि हिंदी का कोई भी अक्षर उलटे लिखे जाने पर भी हमें उलझन में नहीं डालता। शीशे में भी किसी अक्षर का उल्टा रिफ्लेक्शन नहीं दिखता। तुमने अपने या अपने दोस्तों के घर में कई तरह की बोलियां भी सुनी होंगी। दादा-दादी, नाना-नानी अपनी बोली में खूब बोलते हैं।

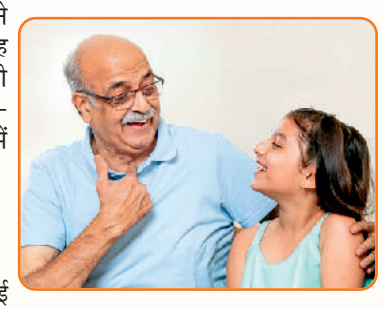

हिंदी की हैं कई बोलियां

बच्चो, हिंदी की कई बोलियां भी हैं। अवधी, ब्रज, बुंदेलखंडी, भोजपुरी और राजस्थानी आदि बोलियां, इस सूची में शामिल हैं। तुम्हें लग रहा होगा कि इन बोलियों को तो बिल्कुल अलग ही तरह से बोला जाता है। असल में इन सभी को लिखने की लिपि एक ही है। इतना ही नहीं हिंदी जानने वाला व्यक्ति नेपाली भाषा को भी आसानी से पढ़ सकता है। बच्चो, हमारी प्यारी हिंदी ने अंग्रेजी, फारसी और अरबी जैसी भाषाओं से कुछ शब्द भी दिल खोलकर अपनाए हैं। इन भाषाओं के कई शब्दों को हिंदी में भी बोलते हैं। इतना ही नहीं डिक्शनरी ऑक्सफोर्ड में भी हिंदी के शब्द शामिल किए जा चुके हैं। इनमें योग, कर्म, खाकी, चड्डी, पायजामा, मंत्र, अन्ना, अच्छा, बापू, बड़ा दिन, सूर्य नमस्कार, नमस्ते, जुगाड़, गुरु, चटनी और स्वदेशी जैसे सैकड़ों शब्द भी शामिल हैं।

हर ओर छाई हिंदी

प्यारे बच्चो, शब्दों की सहज मिठास और दिल को छू लेने वाले अंदाज के लिए जानी जाने वाली हमारी हिंदी समय के साथ दुनिया भर में अपनी जगह बना रही है। हिंदी में पढ़ना-लिखना या हिंदी बोलना सिर्फ हमारे देश तक ही सीमित नहीं है। भारत के अलावा, थाईलैंड, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, भूटान, पाकिस्तान, श्रीलंका और मालदीव में हिंदी अच्छे से बोली जाती है। साल 2024 तक के आंकड़े कहते हैं कि ग्लोबल लेवल पर 135 करोड़ लोग हिंदी बोलते-समझते हैं। दुनिया के 150 देशों में हिंदी बोली जाती है। विश्व स्तर पर लोग हिंदी को जानने-समझने में रुचि ले रहे हैं। दुनिया भर में 176 से ज्यादा विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। अंग्रेजी और मंदारिन (चीनी) के बाद हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। हम दुनिया के किसी भी हिस्से में जाएं, कोई ना कोई हिंदी भाषी इंसान मिल जाता है। बच्चो, है ना यह गर्व करने की बात! *

यूं जुड़ो हिंदी से

बच्चो, सबसे पहले तो हिंदी बोलने-पढ़ने को कोई नीची बात या कमजोरी नहीं समझो। अपनी भाषा को सम्मान देना सबसे प्यारी बात है। हिंदी को अच्छे से जानने-समझने के लिए दैनिक जीवन में हिंदी बोलो। हिंदी में लिखी किताबें पढ़ो।

तुम्हारी पसंद के बहुत से कार्टून फिल्म प्रोग्राम्स अब हिंदी में भी आते हैं। इनको भी देखो। स्कूल के समारोह में हिंदी में कविता पढ़ सकते हो। अपनी डायरी, कहानी या कविता भी हिंदी में लिखना शुरू करो। जैसे अंग्रेजी का कोई शब्द समझ ना आने पर टीचर्स या घर के बड़ों से पूछते हो, हिंदी के शब्दों के अर्थ जानने में भी रुचि लो। जो दोस्त हिंदी बोलते हैं उनका मजाक कभी ना बनाओ। अपने दोस्तों के साथ हिंदी में बात करो। अपनी भाषा से एक भावनात्मक जुड़ाव बनाओ। वैसे भी अपनी भाषा में दिल की भावनाओं को जताने से सुंदर क्या हो सकता है। बच्चो, यह समझना भी जरूरी है कि हिंदी भाषा से जुड़ना तुम्हें अपनी संस्कृति से भी जोड़ता है। अंग्रेजी ना बोल पाने वाले अपने बड़े-बुजुर्गों के करीब लाता है। हमारी सुंदर, सरल और मीठी सी भाषा हिंदी को सीखने समझने के बहुत से फायदे हैं।

कविता / सूर्य कुमार पांडेय

हिंदी दिवस मनाएं हम

हिंदी को अपनाएं हम,
हिंदी पढ़ें, पढ़ाएं हम।
बोलें और बतियाएं हम,
हिंदी दिवस मनाएं हम।

हिंदी की जयकार सुनें,
सात समंदर पार सुनें।
इसकी बोली-बानी में,
भारत की ललकार सुनें।
हिंदी जिन्हें नहीं आती,
उनको इसे सिखाएं हम।
हिंदी पढ़ें, पढ़ाएं हम।

हम करते सबसे विनती,
हिंदी की सीखें गिनती,
रटें पहाड़े हिंदी में,
कभी नहीं होगी गलती।
कितनी मीठी भाषा है,
इसके गाने गाएं हम।
हिंदी को अपनाएं हम।

कविता / फहीम अहमद

प्यारी बोली हिंदी

इतनी मीठी भाषा हिंदी,
जैसे दूध-बताशा हिंदी।
आशा नई जगाती मन में
करती दूर निराशा हिंदी।

संस्कृति की रंगोली हिंदी,
है सबकी हमजोली हिंदी।
करते शब्द ठिठोली हर पल,
इतनी प्यारी बोली हिंदी।

सीधी, सरल, सुसंगत हिंदी,
हर महफिल की रंगत हिंदी।
बड़ी सुकोमल, पावन जैसे
चंदन, रोली, अक्षत हिंदी।

गीत, कहानी, कविता हिंदी,
है बहती सुर सरिता हिंदी।
है यह स्वाभिमान देश का,
गौरव और अस्मिता हिंदी।

गंगा-जमुनी धारा हिंदी,
जोड़ रही जग सारा हिंदी।
भाषाओं के अंबर पर ज्यों
चमक रहा ध्रुवतारा हिंदी।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

सीख देती कहानियां

बच्चो, तुम सबको अच्छा बनने की सीख तो मम्मी-पापा, भैया-दीदी, दादा-दादी, टीचर और अड़ोस-पड़ोस के अंकल-आंटी देते ही रहते हैं। लेकिन जब ऐसी कोई सीख किसी कहानी के जरिए रोचक ढंग से मिलती है तो वो बात ज्यादा अच्छे से समझ आती है, है न! ऐसे ही रोचक ढंग से सीख देने वाली कुछ कहानियों की किताब 'पकड़ी गई चालाकी' हाल में छपकर आई है। इसमें कुल सात कहानियां हैं। शीर्षक कहानी 'पकड़ी गई चालाकी' में तुम पढ़ोगे कि किस तरह शौर्य, चालाकी से लूडो खेल जीत लेता है लेकिन फिर जब दादाजी उसे उसकी गलती का एहसास कराते हैं तो वह शर्मिंदगी महसूस करने लगता है।

'खूबसूरती का राज' कहानी में अवनि को उसकी बुआ समझाती हैं कि वास्तव में कोई इंसान कब खूबसूरत दिखता है? ज्यादातर बच्चे, मम्मी या पापा का स्मार्टफोन मिलने पर उसमें गेम्स खेलने लगते हैं। लेकिन फोन किस तरह पढ़ाई में मददगार हो सकता है, इसे तुम अथर्व की कहानी 'स्मार्टफोन की महिमा' में पढ़ सकते हो। अगर मन में दृढ़ विश्वास हो तो शारीरिक अक्षमता भी मनचाही जीत पाने में बाधा नहीं बनती, यह सीख देती है 'जीत का उपहार' कहानी। किताब की अन्य कहानियां भी बहुत अच्छी हैं। *

किताब: पकड़ी गई चालाकी, **लेखिका:** आरती 'आस्था'
मूल्य: 149 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

अध्यापक : 'मुंह में पानी आना' इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
रोनित : जैसे ही मैंने नल में मुंह लगाकर नल खोला, मेरे मुंह में पानी आ गया।
-शिखा, बिलासपुर

अध्यापक : 'दांत खट्टे करना' इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
सोनू : मैंने मोनू को नीबू का अचार खिलाकर उसके दांत खट्टे कर दिए।
-नव्या, रायपुर

जीके क्विज-170

1. हाल ही में भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने ज्यूरिख डायमंड लीग फाइनल में कौन-सा स्थान हासिल किया?
2. कुछ समय पूर्व ही देश की नई महालेखा नियंत्रक (सीजीई) कौन बनी हैं?
3. भारत के नए उपराष्ट्रपति कौन बने हैं?
4. हिंदी को देश की राजभाषा का दर्जा कब दिया गया था?
5. भारत में कितनी भाषाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त है?
6. कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
7. बल का मात्रक क्या होता है?
8. गौतम बुद्ध के बचपन का नाम क्या था?
9. ग्रैंड ट्रंक रोड का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
10. प्रसिद्ध उपन्यास 'राग दरबारी' के लेखक कौन हैं?

बच्चों, जीके क्विज-170 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-169 का उत्तर : 1.चिकिथा तानीपार्थी, 2.रमेन डेका, 3.ज्ञानेश कुमार, 4.जी. शंकर कुरुप, 5.एंटवर्प (बेल्जियम), 6.लॉर्ड कैनिंग, 7. नरेंद्र मोदी स्टेडियम, 8.विक्रम 3201, 9.विटामिन डी, 10.शुक्र

जीके क्विज-169 का सही उत्तर देने वाले : सौरभ-बिलासपुर, अंकिता-रायपुर, रोहित-रोहतक, कमल-महासमुंद, विकास-बालोद, हर्ष-राजनांदगांव, सुमन-भोपाल, आर्यन-बलौदा बाजार, सुशील-महेंद्रगढ़, साकेत-दुर्ग

कहानी
विमला नागला

सौम्या को जब रिजल्ट मिला तो हिंदी को छोड़ कर सभी विषयों में उसे ए ग्रेड मिला था। इस बात से वह बहुत दुखी हुई। सौम्या ने क्या गलती की थी कि उसे हिंदी में ए ग्रेड नहीं मिला, यह कमी जानते हुए उसकी दादी ने बड़ी चतुराई से उसे एक ऐसा उपाय बताया, जो बड़ा चमत्कारी निकला। जल्द ही सौम्या की हिंदी में बहुत अच्छा सुधार हो गया।

करामाती कलम

आज सौम्या को स्कूल में रिजल्ट कार्ड मिला था। वह पांचवीं कक्षा में पढ़ती है। सौम्या बहुत दुखी थी। सभी विषयों में उसको ए प्लस ग्रेड मिला था, लेकिन हिंदी में बी ग्रेड था। उसे समझ में नहीं आ रहा था, ऐसा क्यों हुआ? सौम्या घर आकर रोने लगी। मम्मी ने जब उसके रोने का कारण जाना तो उन्होंने समझाया, 'बेटा, परीक्षा में हिंदी की छोटी-सी गलती के भी नंबर कटते हैं। इस समृद्ध भाषा में एक बिंदी की भी चूक से शब्द का अर्थ बदल जाता है। शायद तुमने भी इसी तरह की गलती की होगी।'

तभी सौम्या की दादीजी और पापा भी आ गए। सौम्या के रोने का कारण जब उन्होंने पूछा तो मम्मी ने बताया। वह यह भी बोलीं, 'मुझे लगता है, इसके हिंदी लेखन में वर्तनी की अशुद्धियों के कारण ही सही उत्तर लिखने पर भी इसको इतने कम अंक मिले हैं।'

'ओह! यह अशुद्ध वर्तनी वाली बात तो ठीक वैसी ही है, जैसे स्वादिष्ट भोजन के बीच अचानक से कंकड़ का आ जाना। काश! इसके प्रति सौम्या पहले से ही सचेत होती, पर कोई बात नहीं, देर आए दुरुस्त आए।' वहां बैठी दादीजी बोलीं।

मम्मी ने स्कूल में सौम्या के टीचर से फोन पर बात की। उन्होंने भी हिंदी में अधिक अशुद्धियों को ही कम अंक मिलने का कारण बताया। सौम्या अनमनी-सी चुपचाप दूसरे कमरे में चली गई।

दादी जी ने रात को सोते समय प्यार से सौम्या के सिर पर हाथ फेरते हुए पूछा, 'सौम्या, क्या आज तू मुझसे कहानी नहीं सुनेगी?' 'जी नहीं!' बहुत धीमे स्वर में सौम्या बोली।

दादी बोलीं, 'ठीक है सौम्या! तू कहानी भले ही मत सुन, पर यह देख!' 'क्या है यह?' सौम्या ने पूछा।

'सौम्या! यह देख, मेरे पास मेरी मां की दी हुई एक करामाती कलम है। इस कलम के बारे में मैंने आज तक किसी को नहीं बताया। पर आज तेरी यह हालत मुझसे देखी नहीं जा रही, इसीलिए...।' 'क्या..? आपके पास ऐसी करामाती कलम थी तो आप पहले देतीं न...।' सौम्या झट से बोली। 'कोई बात नही बेटा, जीवन में अभी तो ऐसी बहुत सी परीक्षाएं आएंगी। यह कोई साधारण कलम नहीं है। इसकी एक अद्भुत विशेषता यह है कि जिस प्रकार हमारे शरीर को चलाने के लिए प्रतिदिन भोजन की आवश्यकता होती है, ठीक इसी प्रकार इस कलम को भी रोजाना कागज चखने की खुराक चाहिए। यह जितनी खुराक लेगी, उतना ही इसका चमत्कार बढ़ेगा।'

'वो कैसे?' सौम्या को आश्चर्य हुआ।

'कलम को हाथ में लेते ही नियमित रूप से इसका उपयोग करना होगा। इसके रुकते ही इसका जादू खत्म समझो।' दादी बोलीं।

'वाह! यह इतनी करिश्माई कलम है, तो भला फिर रोज काम लेने में कौन-सी परेशानी है!' हाथ नचाती हुई सौम्या बोली। दादी जी वह सुंदर सुनहरी कलम सौम्या के हाथों में देती हुई बोलीं, 'लो बेटा! तुम अब इसे नियमपूर्वक काम में लेना। चलो, हम सबसे पहले इसके जादू की परख के लिए आज से ही नहीं, अभी से ही हिंदी में एक पेज सुलेख लिखकर करते हैं।'

'जी!' सौम्या ने खुशी-खुशी हामी भरी।

शुरुआत में सौम्या ने बहुत लापरवाही के साथ जल्दी-जल्दी लेखन कार्य किया। जब वह इसे दिखाने दादी के पास गई तो दादी जी ने कलम को कान में लगाकर कुछ सुना और उदास स्वर में बोलीं, 'सौम्या, यह कलम कह रही है कि मैं इस लड़की के पास हरगिज नहीं रहूंगी, क्योंकि इसकी गंदी, घसीटमार लिखावट के साथ लिखी ढेर सारी अशुद्धियों से मैं बुरी तरह घबरा गई हूं।'

यह सुनते ही सौम्या का मुंह उतर गया। वह आंखों में आंसू लिए कलम को निहारने लगी। तभी दादी ने फिर से कलम को अपने कान के पास ले जाने का उपक्रम किया और बोलीं, 'सुनो सौम्या! अब यह कह रही है कि चलो छोड़ो, यह सौम्या की पहली गलती है, इसीलिए मैं उसे माफ कर देती हूं, लेकिन आगे से इसे मेरे उपयोग में पूरी सावधानी बरतनी होगी।'

यह सुनकर सौम्या खुशी से झूम उठी। अब तो वह प्रतिदिन एक-एक शब्द शुद्ध और जमा-जमा कर लिखती, इस डर से कि कहीं कलम रूठ न जाए। बस फिर क्या! कहते हैं न, 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान!'

सतत अभ्यास से सौम्या की अशुद्धियां एक दिन लगभग समाप्त ही हो गईं। अन्य विषयों में पढ़ाई में वह ठीक थी ही। अपने शुद्ध हिंदी लेखन के प्रयास से उसने अगली परीक्षा में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वह खुशी से नाच उठी और दादी को धन्यवाद देते हुए बोली, 'दादी जी, यह सब तो आपकी करामाती कलम की ही करामात है।'

दादी जी उसे दुलारते हुए बोलीं, 'बेटा! यह कलम की करामात नहीं, तेरी मेहनत का फल है। सच कहूं तो यह कोई करामाती कलम नहीं है। इसे तो तुम्हारे पापा से ही मंगवाया था। लेकिन अब यह सचमुच ही तुम्हारी मेहनत और लगन से साधारण से करामाती बन गई। बेटा! जीवन में सफलता का कोई शॉर्ट-कट नहीं होता। हमें सफल होने के लिए जीवन में खूब मेहनत करनी ही पड़ती है।'

दादी की बात सुनते हुए, सौम्या सहमति के साथ मुस्करा रही थी। *

शब्द ज्ञान / शिवानी छाया

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

बच्चो, हिंदी में कई सारे शब्द ऐसे हैं, जो अपने-आप में अनेक शब्दों या वाक्यांश का अर्थ समाहित किए हुए हैं। जब हम हिंदी में अनेक शब्दों के बदले प्रयुक्त होने वाले ऐसे एक शब्द का प्रयोग बोलने या लिखने में करते हैं तो हमारी भाषा या हमारा लेखन संक्षिप्त और प्रभावशाली हो जाता है। अनेक शब्दों के बदले प्रयुक्त होने वाले एक शब्द के कुछ उदाहरण बच्चो तुम यहां देख सकते हो-

जिसका कभी अंत न हो : अनंत
जिसको क्षमा न किया जा सके : अक्षम्य
जिसके समान कोई दूसरा न हो : अद्वितीय
कम बोलने वाला : मितभाषी
जिसकी कोई आशा न हो : अप्रत्याशित
अनुचित बात के लिए आग्रह : दुराग्रह
आलोचना करने वाला : आलोचक
अनुकरण करने योग्य : अनुकरणीय
परिवार के साथ : सपरिवार
ऊपर कहा हुआ : उपर्युक्त
नीचे लिखा हुआ : निम्नलिखित
स्मरण करने योग्य : स्मरणीय
दर्शन करने योग्य : दर्शनीय
जो सबको प्रिय हो : सर्वप्रिय
किए गए उपकार को मानने वाला : कृतज्ञ
जो कम पैसे खर्च करता हो : मितव्ययी

अनेक शब्दों के बदले एक शब्द के ऐसे अनेक उदाहरण तुम्हें हिंदी व्याकरण और भाषा की किताबों में मिल जाएंगे। तुम अपने स्कूल में हिंदी के अध्यापक या घर के बड़ों से भी इस तरह के और भी शब्दों के बारे में पूछ सकते हो, जान सकते हो। तुम इन शब्दों को जानो-समझो, इनके प्रयोग करना सीखो और अपने हिंदी ज्ञान को और भी समृद्ध बनाओ। *

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए चित्रों में अध्यापिका जी बच्चों को हिंदी पढ़ा रही हैं। देखने में तो ये दोनों ही चित्र एक जैसे हैं, लेकिन इनमें आठ अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी अंतर खोजो।

उत्तर: 1.टीचर जी का चश्मा गायब है। 2.पीछे बाईं तरफ बैठी लड़की के पीछे ब्लैक-बोर्ड रखा हुआ है। 3.बाईं तरफ बीच में रखे ब्लॉक में से 'ह' अक्षर गायब है। 4.ट्वॉय-ट्रेन के पास रखी हिंदी वर्णमाला की किताब गायब है। 5.आगे की तरफ बॉक्स में हिंदी वर्णमाला के ब्लॉक्स रखे हुए हैं। 6.आगे की तरफ बैठी लड़की के टी-शर्ट का रंग अलग है। 7.दाहिनी तरफ सबसे ऊपर रखा 'क' अक्षर वाला ब्लॉक गायब है। 8.दीवार पर लगी पेंटिंग में चिड़िया की बजाय फूल दिख रहे हैं।

चित्र पूरा करो

बच्चो, यहां हिंदी की क्लास का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र के कलर्ड कट-आउट्स भी साइड में दिए गए हैं। तुम इन कलर्ड कट-आउट्स को सही जगह लगाकर चित्र को रंगीन बनाओ।

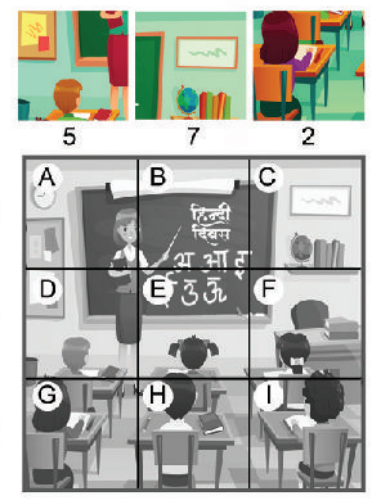

उत्तर : A-1, B-8, C-7, D-5, E-3, F-6, G-2, H-4, I-9

खबर संक्षेप

भारत इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग परीक्षा परिणाम रहा शतप्रतिशत

कोरबा। भारत इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग कोसाबाड़ी की बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष का परीक्षा परिणाम रहा। इस वर्ष की टॉपर बनीं अल्का रानी लहरे जिन्होंने 70.57 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। द्वितीय स्थान पर प्रिया खैरवार 69.07 प्रतिशत अंक के साथ एवं रेखा बरेठ ने 69.05 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था प्रमुख, प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों ने तीनों छात्राओं की सफलता पर बधाई दी।

निगम के फेस आफ द मंथ चुने गए मनमोहन, सीताराम, कोडम्बा

कोरबा। नगर निगम के सहायक ग्रेड-3 मनमोहन सूर्यवंशी, समयपाल सीताराम पटेल एवं सफाई कामगार डी कोडम्बा बाई को सितम्बर माह का फेस आफ द मंथ चुना गया है। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने फेस आफ द मंथ चुने गए इन कर्मचारियों को बधाई दी है तथा कार्य के प्रति उनकी निष्ठा की सराहना की है। आज से 8 माह पूर्व निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की विशेष पहल पर निगम का फेस आफ द मंथ चुने जाने का सिलसिला प्रारंभ हुआ था, इसका मुख्य उद्देश्य निगम के उत्कृष्ट कार्य करने वाले तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सम्मानित करना, उनका उत्साहवर्धन करना एवं अन्य कर्मचारियों को भी इसके लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना था। इसी कड़ी में निगम की सहायक ग्रेड-3 मनमोहन सूर्यवंशी, समयपाल, सीताराम पटेल एवं सफाई कामगार डी.कोडम्बा बाई को सितम्बर माह हेतु निगम का फेस आफ द मंथ चुना गया है।

निधन

शत्रुहन डिक्सेना

हरदीबाजार। हरदीबाजार के बाजार मोहल्ला निवासरत व डुड्गा निवासी शत्रुहन डिक्सेना उम्र 82 वर्ष का अकास्मिक निधन मंगलवार की दोपहर 2 बजे हरदीबाजार में हो गया। जिनका अंतिम संस्कार हरदीबाजार के मुक्तिधाम में किया गया। वे अपने पीछे पत्नी, चार पुत्र लोकु, अनिल, सुनील, राजू डिक्सेना सहित नाती पोते से भरा परिवार शोक संतृप्त छोड़ गए। अंतिम यात्रा में परिवार, समाज, रिस्तेदार सहित गांव से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

7 देवियों के अखण्ड ज्योति से ऊर्जित होगा उर्जाधानी

गौमुखी सेवा धाम में हिंगलाजगढ़ की स्थापना से दूर- दूर तक फैलेगी प्रसिद्धि

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिलेवासियों को अब ग्राम देवपहरी में प्रसिद्ध शक्तिपीठों के अखंड ज्योति के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त होगा। इस सेवा प्रकल्प में आम लोगों में देशभक्ति की भावना जागृत करने की दिशा में भी बेहतर कार्य किया जा रहा है। आध्यात्म और देशभक्ति जागृत करने का प्रकल्प भी सेवा के साथ-साथ चलेगा। जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर ग्राम देवपहरी में गौमुखी सेवा धाम के तत्वाधान में सिद्धीदात्री मंदिर स्थापना के 25 साल बाद हिंगलाजगढ़ का निर्माण करने जा रहे हैं।

खास बात

- देवपहरी बन रहा आध्यात्म और देशभक्ति का केंद्र, 7 महापुरुषों के होंगे दर्शन

6 शक्तिपीठों की अखंड ज्योति इस स्थान की महत्ता और बढ़ाएगी। सप्तदेवियों की अखण्ड ज्योति से जिला ऊर्जित होगा। गौमुखी सेवाधाम के सचिव योगेश जैन ने कहा कि हिंगलाज माता जिनका मूल स्थान बलूचिस्तान है। वहां जिसे नानी मां के नाम से जाना जाता है। देवघाटी के 40 ग्रामों में माई कलशा के रूप में हिंगलाज माता की पूजा की जाती है। दोनों मनोकामना ज्योति कलश के समय हिंगलाज माता की स्थापना गौमुखी सेवा धाम में की जाती है। अब ग्रामवासियों की मांग पर वहां पर हिंगलाजगढ़ की स्थापना होने जा रही है। किलेनुमा आकृति में बन रहे हिंगलाजगढ़ में भारत के चारों दिशाओं से सात अखंड ज्योति स्थापित होगी। 6वीं सिद्धिदात्री मैया की अखंड ज्योति प्रज्वलित होगी एवं सातवीं अखंड ज्योति के स्थान पर अभी एक दीप स्थापित होगा जहां बलूचिस्तान के अखंड भारत में आने पर वहां से ज्योति लाकर अखंड ज्योत को प्रज्वलित किया जाएगा। माई कलशा पर 40 ग्रामों से मिट्टी लाकर उस स्थान को बनाया जायेगा, जहां ज्वारा बोया जायेगा। कोरवा, पंडों, बिरहोर, राठिया, कंवर, मंझवार समाज के ग्रामवासियों द्वारा ज्योति कलश की स्थापना की जाएगी।

गौमुखी सेवा धाम।

अखण्ड ज्योति लाने स्वयंसेवक होने लगे रवाना

दक्षिण में माता कामाक्षी देवी कांचीपुरम की दूरी 1456 किलोमीटर है। यहां के लिए 11 सितम्बर को ब्रम्हमुहूर्त में बालाजी मंदिर के पुजारी ने पूजापाठ कर महिला स्वयंसेवकों को रवाना किया। यह अखण्ड ज्योति लेकर 18 सितंबर को वापस बालाजी मंदिर आयेंगी। उत्तर में माता वैष्णो देवी के लिए 12 सितंबर को जाने के बाद 19 तारीख को कुसमुंडा मंदिर पहुंचेगी। पूरब से माता कामाख्या देवी गुवाहाटी से अखंड ज्योत लाने 14 सितंबर को स्वयंसेवक जाएंगे और 19 तारीख को वह वापस श्रीराम मंदिर बालको पहुंचेंगे। पश्चिम से मां कालका देवी पावागढ़ गुजरात के लिए स्वयंसेवक 15 सितंबर को जाएंगे एवं 19 सितंबर को जलाराम मंदिर वापस आएंगे। मध्य क्षेत्र में शारदा देवी के मैहर माता से अखंड ज्योति लाने स्वयंसेवक 14 सितम्बर को जाकर 17 को शिव मंदिर साडा कालोनी पहुंचेंगे। सभी अखंड ज्योति 20 सितंबर को शाम 5 बजे तक सप्तदेव मंदिर कोरबा पहुंच जायेगी। वहां से 21 सितंबर को सुबह 10 बजे निकलकर गौमुखी सेवा धाम देवपहरी से 12 किलोमीटर पहले गढ़ उपरोड़ा पहुंचेगी। जहां से 22 सितंबर को सुबह 6 बजे पैदल चलकर ग्राम वासियों के द्वारा लगभग 10 बजे मां सिद्धिदात्री मंदिर देवपहरी में पांचों अखंड ज्योति को लाया जायेगा और विधि-विधान से अखंड ज्योति की स्थापना की जाएगी।

रीति नीति एवं सक्रियता से प्रभावित अन्य संगठन के लोग थाम रहे बीएमएस का दामन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ इन दिनों पावर कंपनी में विभिन्न बिजली कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आंदोलन की राह पर है। प्रथम चरण में समस्त जिला मुख्यालय एवं क्षेत्रीय मुख्यालय में आम सभा एवं ज्ञापन दिया गया। 1 सितंबर से 30 सितंबर तक मैदानी क्षेत्रों में जन जागरण करते हुए जनसंपर्क किया जा रहा है तथा 9 अक्टूबर को पावर कंपनी मुख्यालय रायपुर में आम सभा एवं रैली करते हुए मुख्यालय का घेराव किया जाएगा। भारतीय मजदूर संघ कर्मचारी हितैषी कार्यों के लिए पूरे वर्ष भर लगातार सक्रिय रहता है। हर वर्ग के कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर प्रबंधन के साथ बात रखता है और निराकरण करने की प्रयासरत रहता है, जिसके कारण सगठन को अनेक मांगों पर सफलता मिली है। बीएमएस की सक्रियता एवं रीति नीति से प्रभावित होकर पुनः एक बार जिले में जनता यूनियन एवं अन्य संगठन के कार्यकर्ताओं ने बीएमएस की सदस्यता ग्रहण किया है। ज्ञात हो कि एक सप्ताह पूर्व जनता यूनियन को छोड़कर कार्यकर्ता बीएमएस में शामिल हुए थे और उसी प्रकार कल 9 सितंबर को एचटीपीपी संघ कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में दूसरी बार कार्यकर्ता पुनः बीएमएस में शामिल हुए हैं। कार्यक्रम में बीएमएस के अखिल भारतीय मंत्री एवं विद्युत प्रभारी राधेश्याम जायसवाल, महासंघ के प्रदेश महामंत्री नवरतन बरेठ, जिला भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष अजय मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं को गुलाब का फूल एवं अंग वस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया गया एवं सदस्यता ग्रहण कराया गया। बीएमएस में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं ने भी हमेशा बीएमएस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने एवं हमेशा साथ देने का संकल्प लिया। शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं में संतोष पटेल, विष्णुदास महंत, के. यशवंत, राजेश बंजारे, अजीत पैकरा, प्रवीण राज, प्रमोद शर्मा आदि रहे। वहीं कार्यक्रम में अखिल भारतीय मंत्री आरएस जायसवाल, जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा, महासंघ प्रदेश महामंत्री नवरतन बरेठ, प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्रीमती सुनीता जायसवाल, अखिल भारतीय सेवानिवृत विद्युत कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय मंत्री सी एस दुबे, सचिव नारायण राठौर, उत्पादन कोरबा पश्चिम के केएन पटेल, शाखा सचिव अमर सिंह राठौर एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नारायण का नाम जपने से बैकुंठधाम में मिलता है स्थान : शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ग्राम पंचायत तिवरता में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है।

खास बात

- तिवरता में संगीतमय भागवत कथा, अजामिल चरित्र के उपदेश से भक्त भाव-विभोर

अशोक धूलियानी एवं राजकुमार धूलियानी परिवार द्वारा आयोजित इस कथा में न केवल स्थानीय लोग बल्कि दूर-दराज से भी भक्त पहुंचकर भक्ति रस का आनंद ले रहे हैं। बुधवार को कथा वाचन करते हुए भागवताचार्य दीपक कृष्ण शास्त्री महाराज ने अजामिल चरित्र का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि नारायण का चिंतन करने मात्र से जीव को बैकुंठ धाम में स्थान मिलता है। अजामिल के जीवन प्रसंग को बताते हुए शास्त्री ने कहा कि अजामिल ब्राह्मण कुसंगति में पड़कर नास्तिक बन गया था। संत-महात्माओं के मार्गदर्शन से उसके दसवें पुत्र का नाम नारायण रखा गया। जीवन के अंतिम समय में जब यमदूत लेने आए, तब अजामिल ने अपने पुत्र को पुकारते हुए कहा नारायण बेटा, बचा लो। उसी क्षण भगवान नारायण का स्मरण हुआ और केवल नाम उच्चारण से ही उसके सारे पाप नष्ट हो गए। अंततः अजामिल को बैकुंठ धाम की प्राप्ति हुई। कथा स्थल पर संगीतमय भजनों की प्रस्तुति के बीच श्रद्धालु झूम उठे। भक्ति संगीत बजते ही कई भक्त भावविभोर होकर नाचने लगे और पूरा वातावरण हरि नाम संकीर्तन से गूंज उठा। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी ताली बजाकर और झूमकर भक्ति में लीन हो गए। आयोजनकर्ताओं की ओर से राजकुमार धूल्यांनी बबलू ने बताया कि भागवत कथा स्थल में प्रसाद वितरण एवं श्रद्धालुओं के लिए सुचारु व्यवस्था की गई है। यह कथा 13 सितंबर तक प्रतिदिन संध्या समय तक चलेगी।

स्कूली बच्चों के बीच पहुंची यातायात पुलिस की टीम, पढ़ाया यातायात का पाठ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में सड़क हादसों पर विराम लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर यातायात पुलिस ने स्कूलों में यातायात नियम का पाठ पढ़ाने का बीड़ा उठाया है। लगातार स्कूलों में पहुंचकर यातायात पुलिस की टीम स्कूली बच्चों को कैसे सड़क पर चलना है और उनके माता-पिता को कैसे यातायात नियमों का पालन करना है इसके बारे में जानकारी दी जा रही है।

इस बार यातायात पुलिस की टीम शहर के ज्योति मिशन स्कूल पहुंची थी। जहां यातायात प्रभारी तेज प्रताप यादव और एएसआई मनोज राठौर सहित पुलिस की महिला आरक्षकों की टीम गई थी। जहां सबसे पहले यातायात एएसआई मनोज राठौर ने स्कूली बच्चों को बकायदा डेमो देकर सड़क पर कैसे चलना है और कैसे नहीं चलना है इसकी जानकारी बच्चों को दी। साथ ही बच्चों को यह बताया गया कि उनके माता-पिता को गाड़ी चलाते समय या फिर चार पहिया कार चलाते समय किन-किन बातों की सावधानी रखनी चाहिए यदि उनके माता-पिता हेलमेट पहनकर ना जा रहे हैं तो उन्हें रोज रोकने टोकने के लिए भी बताया गया और साथ ही यातायात नियमों का पालन करने के लिए उन्हें अपने माता-पिता को कैसे प्रेरित करना है यह भी बताया गया। साथ ही बच्चों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया गया। इसके उपरांत कोतवाली पुलिस से पहुंची महिला आरक्षकों की टीम ने स्कूली बच्चों को बैड टच के बारे में भी बताया और साइबर क्राइम के बारे में भी उन्हें पूरी जानकारी दी गई कि इन दिनों मोबाइल के बढ़ते दुरुपयोग को लेकर जानकारी दी गई और बच्चों को मोबाइल का इस्तेमाल न करने की भी सलाह दी गई।

छात्रों को मिला रोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सेंट जोसेफ इंटरनेशनल फायर एंड सेफ़्टी अकैडमी (जिफ्सा) ने एक बार फिर साबित किया है कि यदि प्रशिक्षण श्रेष्ठ हो और संकल्प मजबूत हो, तो सफलता निश्चित है। संस्थान के कई होनहार छात्रों को देश की नामी औद्योगिक कंपनियों में सेफ्टी ऑफिसर के रूप में शानदार नौकरी मिली है। यह उपलब्धि जिफ्सा की बेहतरीन ट्रेनिंग, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्रों की मेहनत का नतीजा है। पिछले 30 वर्षों से जिफ्सा युवाओं को फायर और सेफ़्टी के क्षेत्र में मजबूत करियर की राह दिखा रहा है। कोरबा स्थित जिफ्सा का विशाल कैंपस 10 एकड़ में फैला है, जहां आधुनिक उपकरणों और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां से कोर्स पूरा करने के बाद छात्रों को 25 हजार से 35 हजार तक का शुरुआती वेतन, साथ ही आवास, भोजन, यात्रा और मोबाइल भत्ता जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। यह कोर्स ऑफलाइन, ऑनलाइन और पूर्ण आवासीय (रेजिडेंशियल) स्वरूप में उपलब्ध है।

शुभम, लव, दिनेश, पीयूष ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

अग्रसेन जयंती के पूर्व अग्रवाल सभा के नेतृत्व में अग्रवाल महिला मंडल व नवयुवक मंडल के द्वारा प्रतिदिन अलग अलग प्रतियोगिताये आयोजित की जा रही है, जो कि काफी दिलचस्प होता है। इन सभी आयोजनों में समाज के सभी वर्ग के लोग भाग लेते हैं आज जो प्रतियोगिताये आयोजित की गई।

उनमें मुख्य रूप से गिलास गिराओ, लूडो डबल व नोट गिनों मुख्य रहा सभी आयोजन काफी रोमांचक होने की वजह से सभी आयोजनो में काफी संख्या में

अग्रजन भाग ले रहे हैं।

आयोजित किये गए इन सभी आयोजन लूडो डबल को विजय अग्रवाल नोट गिनो को लव अग्रवाल व संजय अग्रवाल वही गिलास गिराओ को संस्कार मित्तल, रोचक धनोंदिया व अंजने गोयल की देखरेख में सम्पन्न किया गया। लूडो डबल में दिनेश बंसल व पीयूष अग्रवाल की जोड़ी प्रथम व लक्ष्य अग्रवाल व अंकित अग्रवाल की जोड़ी द्वितीय रही। वहीं नोट गिनो में लव अग्रवाल प्रथम व अखिल अग्रवाल द्वितीय रहे।

वहीं गिलास गिराओ में शुभम अग्रवाल प्रथम व आरव अग्रवाल द्वितीय रहे। सभी आयोजन काफी रोमांचक रहा आयोजन में सभा के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ज्योति उपाध्यक्ष सुरेश बंसल, सचिव अभिषेक गर्ग, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल सहित महिला मंडल व नवयुवक मंडल के सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा पदाधिकारियों ने विधायक का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में पधारे पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक का सीएसईबी विश्रामगृह में स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से आत्मीय परिचय प्राप्त किया तथा संगठन और जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि धरमलाल कौशिक का मार्गदर्शन सभी कार्यकर्ताओं के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि एवं मण्डल उपाध्यक्ष संजय कुर्मवंशी, मण्डल अध्यक्ष मनोज लहरे, अंजय अग्रवाल, मनोज वर्मा, अनिल गिरी सहित दर्री मण्डल के अनेक कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

जीएसटी2.0 व्यापारियों और देशवासियों के लिए ऐतिहासिक सौगात : सतीश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में चेम्बर प्रतिनिधि मंडल के सदस्य संतोष जैन, तिलोक बरड़िया, वासुदेव जोटवानी, जसप्रीत सलूजा, शांतिलाल बरड़िया ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी से सौजन्य भेंटकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के ऐतिहासिक निर्णय जीएसटी 2.0 के लिए आभार जताते हुए प्रधानमंत्री के नाम आभार-पत्र सौंपा। चेम्बर अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और दूरदर्शिता में भारत आज विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है और नेक्टजन जीएटी का यह निर्णय कर प्रणाली को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं संतुलित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह सुधार देश के 140 करोड़ नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाएगा और व्यापारियों व उद्योगपतियों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए राहतकारी साबित होगा। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने आगे कहा कि इस निर्णय से उत्पादन लागत में कमी आएगी, व्यापार जगत के लिए प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण और अधिक अनुकूल होगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

छत्तीसगढ़ी व्यंजन के स्वाद सजे मंहेदी से हाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

महाराज अग्रसेन जयंती के अवसर के पूर्व विभिन्न प्रतियोगिता के साथ अग्रवाल सभा के द्वारा अयोजित किया जा रहा है। बुधवार को श्री अग्रसेन भवन में छत्तीसगढी अंदाज में स्वाद संग सजावट प्रतियोगिता 14 वर्ष के बालिकाओं के लिए जिसमें 6 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मेंहदी प्रतियोगिता जो बालिका एवं महिला के लिए जिसमें 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, कुर्सी दौड प्रतियोगिता 14 वर्ष के उपर बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए जिसमें 41 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के मिडिया प्रभारी अनिल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया दिनांक 11 सितम्बर पोतडा माडो प्रतियोगिता 14 वर्ष के बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए दोपहर 3.30 बजे, मारवाडी समानार्थी शब्द प्रतियोगिता 14 वर्ष के बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए दोपहर 4.30 बजे, सुई धागा प्रतियोगिता 14 वर्ष के उपर बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए शाम 5 बजे अयोजित की गई है।

मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता के दौरान समाज की महिलाएं।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

विवाह प्र. क्र. /ब-121/2024-2025
ग्राम झरना तहसील सारागांव

आवेदक श्री रामचरण राठौर पिता स्व. श्री जगत राम राठौर जाति तेली एवं आवेदिका श्रीमती तिलेश्वरी राठौर पति श्री रामचरण राठौर जाति तेली निवासी ग्राम खरवानी तहसील बरपाली जिला कोरबा (छ.ग.)

बनाम

छत्तीसगढ़ शासन

ईश्तहार

आम जनता ग्राम झरना तहसील सारागांव जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामचरण राठौर पिता स्व. श्री जगत राम राठौर जाति तेली एवं आवेदिका श्रीमती तिलेश्वरी राठौर पति श्री रामचरण राठौर जाति तेली निवासी ग्राम खरवानी तहसील बरपाली जिला कोरबा (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया है कि हम दोनों का विवाह दिनांक 12.06.1995 को ग्राम झरना तहसील सारागांव जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) में सम्पन्न हो चुका है। और अपने अनुष्ठापित विवाह का पंजीयन कर विवाह प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में किसी को कोई दावा / आपत्ति हो तो वह अपनी दावा/आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 08.10.2025 को 11.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01.09.2025 को न्यायालय की पद मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विवाह अधिकारी
जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.)

-: ईश्तहार:-

रा.प्र.क..... बी-121/2024-25
ग्राम कटघोरा, प.ह.नं. 10
तहसील-कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा आम जनता मौजा ग्राम कटघोरा प.ह.नं. 10 रा.नि.मं. कटघोरा, तहसील-कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन कुमार अग्रवाल पिता/पति ओम प्रकाश अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी कारखाना एरिया वार्ड क 15 कटघोरा, तहसील-कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.) द्वारा अपने पत्नी स्व. पिंकी अग्रवाल पिता/पति पवन कुमार अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 22.01.2022 को स्थान कटघोरा, तहसील-कटघोरा स्थित स्वयं के घर में मृत्यु हो जाने का लेख करते हुए मृत्यु प्रमाण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है. जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो अपना दावा आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 26.09.2025 को न्यायालयीन समय 11:00 बजे उपस्थित हो कर पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात किये जाने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

स्थान :- कटघोरा

तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.)

शपथ-पत्र

मैं, सुमीत कुमार अग्रवाल उम्र 43 वर्ष पिता सुरेश कुमार अग्रवाल, निवासी म.न. 748. इंदिरा चौक, छुरीकला, कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.) का होकर निम्न कथन शपथ पूर्वक करता हूं :

01. यह कि, मैं उक्त पते पर निवासरत हूं तथा मेरा आधार नंबर 5778 2804 6490 है।

02. यह कि, मेरी पुत्री आरोही अग्रवाल, डी.पी.एस.स्कूल एन.टी.पी.सी. कोरबा में कक्षा 9 वीं की छात्रा के रुप में अध्ययनरत है मेरी पुत्री के शैक्षणिक दस्तावेजों में उसके पिता का नाम अर्थात मेरा नाम सुमीत अग्रवाल दर्ज है जबकि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में मेरा नाम सुमीत कुमार अग्रवाल दर्ज है और यही नाम मेरे समस्त दस्तावेजों में दर्ज है जो कि सत्य व सही है।

03. यह कि, मैं अपनी पुत्री के शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा वास्तविक एवं सही नाम सुमीत कुमार अग्रवाल दर्ज कराना चाहता हूं एवं आगामी होने वाले समस्त सम्व्यहार में मेरी पुत्री के पिता की नाम की आवश्यकता होती है वहां उसके पिता का नाम सुमीत कुमार अग्रवाल दर्ज किया जावे।

04. यह कि, यह शपथ पत्र मेरे उपरोक्त कथन के समर्थन में निष्पादित किया गया है जिसे संबंधित कार्यालय/विभाग में प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
सुमीत कुमार अग्रवाल

खबर संक्षेप

आयुष्मान वयवंदन योजना के तहत शिविर आज से

कोरबा। भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजना आयुष्मान वयवंदन योजना के अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र में निवासरत 70 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे वरिष्ठ नागरिकों जिनके कार्ड नहीं बने हैं, उनका आधार कार्ड में मोबाईल नम्बर लिंक, अपडेशन कार्य के लिए निगम के सभी जोन कार्यालयों में 12 सितम्बर से 18 सितम्बर तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने आदेश जारी कर शिविर आयोजन के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिए हैं। इसके लिए नगर निगम के समस्त वार्डों के लिए दलों का गठन कर दिया गया है तथा दलों में अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए शेष बचे सभी हितग्राहियों का आधार कार्ड में मोबाईल नम्बर लिंक अपडेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं। जीवन सहायक उपकरण प्रदान करने मूल्याकंन शिविर 18 सितम्बर को नगर निगम क्षेत्रांतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठजनों को निःशुल्क जीवन सहायक उपकरण प्रदान करने हेतु मूल्याकंन शिविर का आयोजन 18 सितम्बर को बालको मैत्री संघ भवन बालको में किया जाएगा। उक्त शिविर में वरिष्ठजनों को आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि लाना होगा, वरिष्ठजनों की उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए तथा उनकी सभी स्त्रोतों से मासिक आय 14500 रूपये प्रतिमाह से कम होनी चाहिए।

कथक नृत्यांगना पर्वतम ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दी मनमोहक प्रस्तुति

कोरबा। विगत दिनों राजधानी रायपुर में गायन वादन नृत्य प्रतियोगिता कौशल महोत्सव 2025 कृष्ण पब्लिक स्कूल ऑडिटोरियम में कृष्ण ललित कला महाविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता में डीपीएस बाल्को की कक्षा चौथी की छात्रा पर्वतम योद्धा ने फेस्टिवल परफॉर्मेंस में अति विशिष्ट कथक नृत्य की प्रस्तुति देकर कोरबा एवं बालकोनगर को गौरवान्वित किया है। योद्धा अंतर्राष्ट्रीय तबला व कथक नृत्य गुरु मोरध्वज वैष्णव की शिष्या है और उनके मार्गदर्शन में कथक नृत्य की प्रस्तुति दी है। इसके पूर्व में भी योद्धा ने आबुधाबी दुबई, बिलासपुर, भिलाई और देश की सांस्कृतिक राजधानी पुणे में पुरस्कृत प्राप्त कर कोरबा नगर को गौरवान्वित किया है। योद्धा भारत एल्यूमिनियम कंपनी में कार्यरत पि सतीश कुमार की सुपुत्री है।

सायबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

कोरबा। सजग कोरबा के अंतर्गत पुलिस द्वारा नगर के विभिन्न संस्थाओं में साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में ओरिएंटल कॉलेज आफ नर्सिंग तथा पीडब्ल्यूडी रामपुर स्कूल में मोबाइल बैंकिंग फ्रॉड ऑनलाइन अवैध जुआ डिजिटल अरेस्ट फर्जी एपीके फिशिंग ईमेल मैसेज के संबंध में छात्रों को हो रहे नए-नए साइबर फ्रॉड के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस टीम से विकेश्वर प्रताप सिंह, रवि कुमार चौबे, प्रतिभा राय आदि ने सहयोग किया।

हज़ारों श्रद्धालुओं ने भव्य शोभायात्रा संग दी गणपति बप्पा को विदाई

कटघोरा के राजा की विदाई, सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

कटघोरा के राजा की विदाई के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़।

आकर्षक झांकियों का किया गया प्रदर्शन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

गणेशोत्सव के पावन अवसर पर बुधवार की शाम नगर में कटघोरा के राजा गणपति बप्पा की ऐतिहासिक विसर्जन शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। अहिरन नदी से प्रारम्भ हुई यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए देर रात लगभग 11 बजे विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज के पास रखा गया जिसे दूसरे दिवस कापुबहरा के पल में विसर्जित किया गया। इस अद्भुत आयोजन का साक्षी बनने न केवल कोरबा जिले बल्कि आस-पास के जिलों से भी हजारों भक्तगण शामिल हुए।

ज्ञात हो कि इस वर्ष कटघोरा का जयदेवा गणेशोत्सव समिति द्वारा केरल के तिरुअनंतपुरम के प्रसिद्ध पद्मानाभस्वामी का 111 फीट आकर्षक पंडाल का भव्य निर्माण कराया था तो वही 21 फीट ऊंची कटघोरा का राजा की प्रतिमा लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रही है। वहीं पंडाल के प्रांगण में विराट स्वरूप बजरंग बली की प्रतिमा लोगो को अपनी ओर आकर्षित करती थी। इस शोभायात्रा की सबसे बड़ी खासियत रही भव्य झांकियां, जिन्होंने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छत्तीसगढ़ के साथ-साथ बाहरी राज्यों से आई झांकियों ने नगरवासियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। विशेषकर शिव तांडव की झांकी ने लोगों को रोमांचित कर दिया। वहीं डीजे और धूमाल की थाप पर श्रद्धालु देर रात तक थिरकते रहे। गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के गगनभेदी नारों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा।

झांकी का आनंद उठाते लोग।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से बढ़ी शोभा

गणपति बप्पा की इस विदाई यात्रा में कटघोरा विधायक प्रेमचन्द पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल, भाजपा जिला महामंत्री संजय शर्मा समेत नगर के अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। विधायक श्री पटेल ने इस अवसर पर कहा कि कटघोरा का राजा आज न केवल जिले में बल्कि अन्य जिलों में भी अपनी विशेष पहचान बना चुका है। आज हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस ऐतिहासिक यात्रा में शामिल हुए, यह कटघोरा के लिए गौरव का विषय है। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष श्री जायसवाल ने जयदेवा गणेशोत्सव समिति को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। आयोजन को सफल बनाने में पार्षद संजय अग्रवाल सहित समिति के सभी सदस्यो का सहयोग सराहनीय रहा इस अवसर पर सभी नगरवासी उपस्थित रहे।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक चौबंद

इतनी बड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी और बांगों थाना प्रभारी दुर्गेश वर्मा स्वयं लगातार निगरानी करते रहे नगर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात था भारी वाहनों के प्रवेश पर सुबह से ही रोक लगाकर मार्ग डायवर्सन लागू कर दिया गया था भीड़ में किसी प्रकार की अशांति न फैले इसके लिए उपद्रवियों, तीन सवारी चलाने वालों और शराब सेवन करने वालों पर कड़ी नजर रखी गई तथा आवश्यकतानुसार कार्रवाई भी की गई।

महिलाओं को ऑस्टर और पैरा मशरूम की खेती का दिया जा रहा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल दीपका क्षेत्र के निगमितसामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से परियोजना प्रभावित ग्राम हरदीबाजार में ग्रामीणों, महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 10 सीसीटीवी कैमरा दीपका क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय कुमार मिश्रा के द्वारा ग्राम पंचायत हरदीबाज़ार के सदस्यों को उपलब्ध कराया गया। क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि दीपका क्षेत्र के द्वारा कोयला उत्पादन के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआर के तहत विभिन्न कार्यों के द्वारा सतत विकास का प्रयास किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का आयोजन दीपका क्षेत्र के क्षेत्रीय स्तर की सीएसआर समिति के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम मे दीपका क्षेत्र के विभागाध्यक्ष, नोडल अधिकारी (सीएसआर), ग्राम हरदीबाज़ार के वार्ड पंच एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्वयं सहायता समूहों कोआत्मनिर्भर बनाने केउद्देश्य से, एसईसीएल दीपका क्षेत्र द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) अंतर्गत ग्राम रतिजा में परियोजना प्रभावित ग्रामों रतिजा, चैनपुर, हरदीबाज़ार व सरईसिंगार के स्वयं सहायता समूहों के लिए मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि एसईसीएल दीपका क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय कुमार मिश्रा, विशिष्ट अतिथि ग्राम रतिजा की सरपंच श्रीमती कविता कंवर, मशरूम उत्पादन प्रशिक्षक श्रीमती परमेश्वरी सिंह, दीपका क्षेत्र के स्टाफ अधिकारी (सिविल), स्टाफ अधिकारी (एचआर), नोडल अधिकारी (सीएसआर), विभिन्न स्वयं सहायता समूह एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। श्रीमती परमेश्वरी सिंह ने दो दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे महिलाओं को ऑस्टर और पैरा मशरूम की खेती की। विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें प्रैक्टिकल करके भी दिखाया कि कैसे मशरूम की खेती की जाती है। साथ ही यह भी बताया कि पैरा मशरूम की खेती मार्च से अक्तूबर तक की जा सकती है, परंतु मशरूम की खेती योग्य तापमान पर साल भर की जा सकती है।

आयुक्त ने इमलीडुग्गू स्लम बस्ती की गलियों में भ्रमण कर सफाई कार्यों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने इमलीडुग्गू स्लम बस्ती व उसके विभिन्न मोहल्लों की सकरी गलियों में भ्रमण कर निगम के साफ-सफाई कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप नियमित रूप से सफाई कार्य जारी रखने एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने गौमाता चौक व कोरबा पुराने शहर स्थित इतवारी बाजार का भी निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं की दुरूस्तगी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

उल्लेखनीय है कि आयुक्त आशुतोष पाण्डेय अपने नियमित प्रातः भ्रमण के दौरान निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनांतर्गत स्थित वार्डों व बस्तियों का औचक दौरा कर साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट तथा सड़क, नाली सहित अन्य व्यवस्थाओं व समस्याओं का निरीक्षण करते हुए उनके त्वरित निराकरण व समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश नियमित रूप से अधिकारियों को दे रहे हैं। इसी कड़ी में गुरूवार को निगम आयुक्त श्री पाण्डेय कोरबा जोन स्थित इमलीडुग्गू स्लम बस्ती पहुंचे। उन्होंने बस्ती के विभिन्न मोहल्लों की अंदरूनी व सकरी सड़कों का पैदल भ्रमण करते हुए साफ-सफाई कार्यों का सघन रूप से जायजा लिया, इस दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि साफ-सफाई से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की उदासीनता न बरती जाए तथा निर्धारित मानदण्डो के अनुरूप सफाई कार्य किए जाएं, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित किया जाए। भ्रमण के दौरान आयुक्त ने पुराने कोरबा शहर के इतवारी बाजार पहुंचे। उन्होंने बाजार का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साफ-सफाई व बाजार की स्वच्छता का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क के किनारे सब्जी की दुकानें लगने से आवागमन बाधित हो रहा है।

खास बात

- बस्तीवासियों से साफ सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाईट सहित अन्य समस्याओं पर की चर्चा

निरीक्षण करते निगम आयुक्त।

45 मिनट की क्लास में बच्चों को 2 बार हंसाना जरूरी : मनहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गेवरा-दीपका

राधेय विद्यापीठ इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल झाबर दीपका में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कक्षा 3 से 9 के बच्चे शिक्षक/ शिक्षिका के रूप में सज धज कर हाथों में किताब तथा मन में प्रसन्नता की भाव के साथ अत्यंत उत्साहित नजर आए। बच्चों द्वारा सभी शिक्षकों को पुष्पगुच्छ के साथ गुरु दक्षिणा के रूप में कलम/डायरी देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किये। स्कूल के संचालक राधेश्याम मनहर ने अपने उद्बोधन में सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि निसंदेह आप सभी की अध्यापन कार्य प्रशंसनीय है जिसके कारण विगत 3 सालों से नवोदय विद्यालय के लिए क्रमशः बच्चे चयनित हो रहे हैं। खेलकूद और संगीत में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 45 मिनट की कक्षा में कम से कम दो बार बच्चों को हंसाना अनिवार्य है। मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकार राजीव लोचन तिवारी अपने अभिभाषण में स्कूल की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज राधे विद्यापीठ उच्च पठन-पाठन के लिए दीपिका क्षेत्र में जाना जाता है इसलिए सभी शिक्षकों और बच्चों को शुभकामनाएं दी। स्कूल के प्राचार्य श्रीमती ममता मनहर ने सबको शिक्षक दिवस की बधाई ज्ञापित करते हुए स्कूल को अनुशासित रख पढ़ाई पर ध्यान आकर्षण किया। इसी कड़ी में शिक्षक रितिक पांडे का एमबीए में चयनित होने पर उन्हें बधाई देते हुए श्रीमती सुनीता मेहता एचएम, योगेश मनहर, नीलम जोजो, टिकेश्वरीसाहू, शशि उइके, ज्योति केरकेट्टा, अर्चना शर्मा, सरस्वती यादव, भावना देवांगन, सरीजा बानो, मुस्कान, साकून अली, रूपा शर्मा तथा सरोज लकड़ा उपस्थित रहे।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

लायन्स क्लब कटघोरा छुरी द्वारा लगाया गया शिविर

नेत्र जांच शिविर में 95 लोगों ने कराया अपनी आंखों का निःशुल्क परीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

दि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायन्स क्लब से सम्बंधित संस्था लायन्स क्लब कटघोरा छुरी के द्वारा सेवा गतिविधियों की अगली कड़ी में स्वास्थ्य को देखते हुए 11 सितम्बर को गोपाल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल कटघोरा में विनायक हॉस्पिटल कोरबा के कुशल डॉक्टरों के द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में नगर के साथ साथ आसपास के भी काफी ग्रामीण छेत्र के मरीज लाभान्वित हुए मॉइक्रो चेयरपर्सन अजय धनोंदिया ने बताया कि काफी समय से देखा गया कि आजकल की दिनचर्या की वजह से लोगो में नेत्रों की समस्या बनी हुई थी जिसको देखते हुए क्लब के द्वारा आज निःशुल्क शिविर लगाया गया है। निश्चित ही इस आयोजन से नगर के साथ साथ ही आसपास के ग्रामीण परिवारों को भी इसका लाभ प्राप्त हुआ क्योंकि पिछले काफी समय से नगर में इसका आयोजन नहीं किया गया था। जिसको देखते हुए क्लब के द्वारा यह शिविर का आयोजन किया गया क्लब के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया कि अक्सर देखा गया है कि नेत्र रोग से पीड़ति मरीज इलाज के अभाव में सही दिशा निर्देश नही मिलने की वजह से इधर उधर भटकते रहते हैं इसी समस्या से आम नागरिकों को निजात दिलाने के लिए कोरबा विनायक हॉस्पिटल के अनुभवी डॉक्टरों के द्वारा अत्याधुनिक मशीनरी से मरीजो के नेत्रों की आज जांच किया गया यह जांच पूरी तरह निःशुल्क किया गया जिसमें आंखों की जांच, पर्दे की जांच, चश्मे की जांच, मोतियाबिंद व काला मोतिया मरीजों का निःशुल्क आपरेशन किया गया। इस शिविर में कुल 95 लोगों के नेत्रों की जांच की गई जिसमें से 15 मरीजों के नेत्रों में मोतियाबिंद पाया गया मोतियाबिंद पाए गए मरीजो को जरूरी दस्तावेज के सांथ उनकी टीम के साथ कोरबा हॉस्पिटल लेकर जाया जाएगा जहां उनका निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा व ऑपरेशन पश्चात निःशुल्क चश्मे व दवाइयां भी प्रदान की जाएगी ऑपरेशन पश्चात विनायक हॉस्पिटल की टीम के द्वारा उन सभी मरीजो को वापस कटघोरा छोड़ा जाएगा। इस शिविर में डॉ अनूप शुक्ला, उमेश द्वेदी, रीना सिंह ने अपनी सहभागिता देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया। ततपश्चात क्लब के सदस्यों के द्वारा शिविर में आये सभी डॉक्टरों को स्मृतिचिन्ह भेंट किया गया। इस आयोजन में डिस्ट्रिक्ट पीआरओ एवं क्लब संरक्षक अजय धनोंदिया, क्लब अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, संरक्षक अजय गर्ग, घनश्याम शर्मा, डॉ गोपाल गोस्वामी, पार्षद राजू दीवान, राकेश शर्मा, विकास अग्रवाल सहित सभी सदस्य हॉस्पिटल के कर्मचारी व नगरवासी उपस्थित थे।

जांच शिविर के दौरान स्थानीय लोग।